भारत भवन में गूंजी मीरा, संत तुकाराम की रचनाएं

तीन दिवसीय संतवाणी समारोह का समापन

निज संवाददाता

भोपाल, 24 मई. बहुकला केंद्र भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय 'संतवाणी समारोह' का रविवार को भक्तिरस, सूफियाना संवेदना और शास्त्रीय संगीत की सुरमयी प्रस्तुतियों के साथ समापन हुआ.

संगीत केंद्र 'अनहद' द्वारा आयोजित इस समारोह के अंतिम दिन श्रोताओं ने संत साहित्य, भक्तिकालीन काव्य और भारतीय रागदारी संगीत के अद्भुत संगम का अनुभव किया. समारोह के अंतिम दिवस की शुरुआत गायिका अनुषा शर्मा की प्रस्तुति से हुई.

उन्होंने संत एकनाथ रचित 'गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई' के माध्यम से गुरु भक्ति की निर्मल चेतना को स्वर दिए. इसके बाद सूरदास के विरह भाव से ओतप्रोत पद 'निसदिन बरसत नैन हमारे' की प्रस्तुति ने श्रोताओं के मन में करुण और माधुर्य रस का अद्भुत संचार किया. संत कबीर के निर्गुण भजनों 'भजन बिना हरि नाम बिना जल जइयो ऐसो जीवना' और 'नर तन व्यर्थ गवायो' में जीवन दर्शन, वैराग्य और आत्मबोध की गूंज स्पष्ट सुनाई दी. अंत में तुलसीदास रचित 'श्री राम स्तुति' ने वातावरण को भक्तिभाव से भर दिया. तबले पर अशेष उपाध्याय, हारमोनियम पर निखिल बाकरे, वायलिन पर मनोज बमरले और मंजीरे पर भावेश अनेराव ने संगत कर गायन को और अधिक प्रभावी बनाया.

लयात्मक सौंदर्य को जीवंत किया

इसके बाद प्रख्यात शास्त्रीय गायिका आरती अंकलीकर टिकेकर ने राग केदार में द्रुत एकताल की बंदिश 'राम नाम जपत हूं मैं' से गायन आरंभ किया. इसके बाद प्रस्तुत तराना ने शास्त्रीय संगीत की ऊर्जस्विता और लयात्मक सौंदर्य को जीवंत कर दिया. उन्होंने मीरा बाई के भजन 'म्हारे घर आओ जी' में कृष्ण भक्ति की मधुर अनुभूति को स्वर दिए. संत तुकाराम के अभंग 'बोलावा विठ्ठल' में उन्होंने वारकरी परंपरा की लोक-आध्यात्मिक चेतना को प्रस्तुत किया. इसके बाद मीरा का भजन 'चाला वही देश' श्रोताओं को वैराग्य और आत्मसमर्पण की भावभूमि में ले गया. समारोह का समापन भैरवी में संत सोयराबाई के भजन 'अवघा रंग एक झाला' से हुआ.

'उंगलियां हाथों की हैं छोटी, कमजोर भी, यही बनाती हैं मुट्ठियां'

दुष्यंत संग्रहालय में मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक ग़ज़ल गोष्ठी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 24 मई. मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक ग़ज़ल गोष्ठी रविवार को दुष्यंत संग्रहालय, शिवाजी नगर, भोपाल में वरिष्ठ ग़ज़लकारों की उपस्थिति में हुई. सर्वप्रथम डॉ. प्रार्थना पंडित ने सरस्वती वन्दना पढ़ी, फिर हरदा से आये शायर जयकृष्ण चांडक 'जय' ने पढ़ा 'प्रश्न ये दिल से दिल का है, लेकिन हल मुश्किल का है'.

रतलाम से आए शफ़ी लोदी ने सुनाया 'गुलशन में जो देखा तो बदले हुए मंज़र हैं, शादाब मुग़ीलां हैं, अफ़सुर्दा सनोबर हैं'. इंदौर से पधारी पूजा कृष्णा ने सुनाया 'तुम्हारे बिन नज़र जब आईने से हम मिलाते हैं, अकेलापन, तड़पता दिल, सिसकती सांस पाते हैं'. भोपाल के ग़ज़लकार रमेश नन्द ने सुनाया 'दास्तां भी सुनी नहीं जाती, पीर ऐसी कि पी नहीं जाती'. हरदा से आये मदन व्यास ने सुनाया 'महफिल में ख़ुश हो लेते हैं बाबूजी, तन्हाई में रो लेते हैं बाबूजी'. सागर से आये बिंद्रावन राय 'सरल' ने सुनाया 'शजर दिल को बनाना चाहता हूं, मैं आंधी को हराना चाहता हूं.' घोड़ाडोंगरी से पधारे संतोष जैन ने सुनाया, 'इंतहा होने लगी है और हम ख़ामोश हैं, ज़िन्दगी खोने लगी है और हम ख़ामोश हैं.' मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रांतीय सहमंत्री डॉ. प्रार्थना पंडित ने सुनाया 'ना जाने क्या-क्या करते हैं जीते जाने वाले लोग, मुझको देख के हैरत में हैं आने-जाने वाले लोग'. प्रांतीय सचिव मनीष बादल ने सुनाया 'वो जो सूरज-चंदा का इक टुकड़ा लेकर बैठे हैं, वो ही लोभी अंधियारे का दुखड़ा लेकर बैठे हैं'. मध्यप्रदेश लेखक संघ के उपाध्यक्ष ऋषि श्रृंगारी ने सुनाया 'एक अरसे बाद टूटा चुप्पियों का सिलसिला, बात कहनी थी मुझे, उसने कहा अच्छा लगा.' सारस्वत अतिथि सुरेश पबरा आकाश ने सुनाया 'कुछ भी न किया फिर ख़ता ढूंढ रहे हैं, जो हमपे लग सके वो दफ़ा ढूंढ रहे हैं'. मध्यप्रदेश लेखक संघ के संरक्षक और विशिष्ट अतिथि डॉ. रामवल्लभ आचार्य ने सुनाया 'पास चाहे न दौलत रहे, पर दिलों में मुहब्बत रहे, घर में इज़्ज़त नहीं प्यार हो, और दुनिया में इज़्ज़त रहे'. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ ग़ज़लकार महेश अग्रवाल ने सुनाया 'उंगलियां हाथों की हैं छोटी, बड़ी कमजोर भी, पर यही मिलकर बनाती हैं हमेशा मुट्ठियां'. 'संघ के अध्यक्ष और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र गट्टानी ने सुनाया 'मानता हूं मौसिक़ी का एक रुतबा है मगर, क्यूं क़लम को साज़ का मुहताज़ होना चाहिये'. कार्यक्रम का संचालन मनीष बादल एवं प्रार्थना पंडित ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सुनील चतुर्वेदी ने किया.

नई अल्ट्रासाउंड तकनीक से और सटीक होगी बीमारियों की पहचान

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 मई. सामान्य अल्ट्रासाउंड से शरीर के अंदर की समस्याओं का पता लगाया जाता है. एम्स भोपाल में नई कॉन्ट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड तकनीक इसके मुकाबले कहीं अधिक प्रभावी है. इसमें एक विशेष कॉन्ट्रास्ट दवा का उपयोग किया जाता है, जिससे शरीर के अंगों की बारीक हलचल और बीमारियों की स्थिति स्पष्ट दिखाई देती है.

इस तकनीक से डॉक्टर गंभीर बीमारियों का शुरुआती चरण पता लगा सकेंगे. इससे मरीजों को समय रहते सही इलाज मिल सकेगा. इस संबंध में एम्स के रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग विभाग ने आधुनिक कॉन्ट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड तकनीक पर कार्यशाला आयोजित की.

डॉक्टरों को तकनीक के बारे में बताया

कार्यशाला में डॉक्टरों को कॉन्ट्रास्ट दवा तैयार करने, उसकी सही मात्रा निर्धारित करने और शरीर में इसे देने की प्रक्रिया समझाई गई. साथ ही, सैमसंग की अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीनों में स्कैनिंग की सेटिंग्स का भी प्रशिक्षण दिया. एम्स के रेजिडेंट डॉक्टरों ने विशेषज्ञों की मौजूदगी में वालेंटियर्स पर लाइव स्कैनिंग का अभ्यास किया. जिससे उन्हें इस तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं को समझने में काफी मदद मिली.

संडे ऑन साइकिल रैली से फिटनेस का संदेश

भोपाल,(खेल प्रतिनिधि). भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के बिशनखेड़ी केंद्र में रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया. रैली का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और वर्ष 2030 में भारत में प्रस्तावित कॉमनवेल्थ गेम्स के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा. कार्यक्रम की शुरुआत कॉमनवेल्थ गेम्स, खेलो इंडिया और खेलों के महत्व पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म के प्रदर्शन से हुई. इसके बाद सशस्त्र सीमा बल भोपाल के कमांडिंग ऑफिसर चंद्र पाल सिंह राठौर ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर राठौर ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं. अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेल बेहद जरूरी हैं. रैली साई के बिशनखेड़ी परिसर से शुरू होकर शूटिंग रेंज, नाथू बरखेड़ा और प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस साई परिसर पहुंचकर समाप्त हुई. रैली की थीम 'सीडब्ल्यूजी 2030 इन भारत' रखी गई थी.

एक नजर में

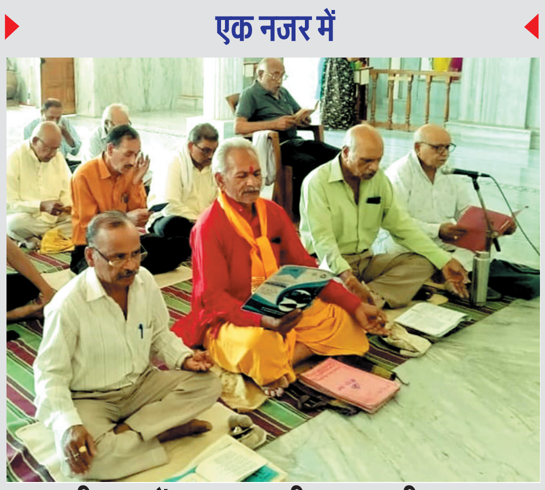

दादाजी धाम में हनुमान चालीसा, गुरु गीता का पाठ

भोपाल. पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर दादाजी धाम मंदिर पटेल नगर रायसेन रोड में रविवार को सुबह 9 से 10 :15 बजे तक श्री हनुमान चालीसा एवं श्री गुरु गीता का सामूहिक पाठ किया गया. यह धार्मिक आयोजन भोपाल स्थित श्री अंबिका आश्रम बालीपुर धाम एवं दादाजी धाम के श्रद्धालुओं के सहयोग से किया गया. पाठ के बाद भगवान को बेल के शरबत का भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया. शाम को महिला श्रद्धालुओं द्वारा भजन कीर्तन किए गए.

बुमराह हाउस ने 6 विकेट से जीता मैच

भोपाल, खेल प्रतिनिधि. अरेरा प्रीमियर क्रिकेट लीग अंडर-16 एज ग्रुप प्रतियोगिता में रविवार को जसप्रीत बुमराह हाउस ने रोहित शर्मा हाउस को 6 विकेट से हराया. मुकाबला 50 ओवर का था, लेकिन रोहित शर्मा हाउस की टीम 28 ओवर में 72 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. रोहित शर्मा हाउस की ओर से विराज चतुर्वेदी ने 25 और वंश मेश्राम ने 12 रन बनाए. बुमराह हाउस की गेंदबाजी में केतन रेवाड़ीकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में 29 रन देकर 4 विकेट लिए. शानवी मंडलोई ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि नीर यादव और फैजान खान को 1-1 विकेट मिला. 73 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जसप्रीत बुमराह हाउस की टीम ने 9.4 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली. तनय तिवारी ने 23 और होमी सोलंकी ने 19 रन बनाए. रोहित शर्मा हाउस की ओर से वंश मेश्राम ने 3 विकेट लिए, जबकि विराज चतुर्वेदी को 1 विकेट मिला. मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मध्य प्रदेश उपभोक्ता संरक्षण कल्याण समिति के महासचिव विजय सक्सेना ने केतन रेवाड़ीकर को प्रदान किया. सोमवार को बुमराह हाउस और विराट कोहली हाउस के बीच मुकाबला होगा.

'ऋषिवाटिका शिविर गुरुकुलम्' का समापन

निज संवाददाता

भोपाल,24 मई. कोलार रोड स्थित एलएनसीटी ऑडिटोरियम में रविवार को 'ऋषिवाटिका शिविर गुरुकुलम्' का समापन हो गया. इस अवसर पर 'गुरुकुल चरित्र निर्माण का केंद्र' थीम पर हुए कार्यक्रम में बच्चों ने गीत, नृत्य और योग के माध्यम से भारतीय संस्कृति और संस्कारों का संदेश दिया. बच्चों ने शिविर में सीखे योग, ध्यान, अनुशासन और सेवा भावना को मंच पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया.

कार्यक्रम में करियर काउंसलर प्रो.अभिषेक दुबे, एसपी रेडियो शशांक गर्ग और संस्कृति परिषद के उप संचालक अमित कुमार यादव उपस्थित रहे. अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर नई पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. शिविर की अध्यक्ष मेघा मालवीय ने बताया कि 15 दिवसीय शिविर में बच्चों को वेद ज्ञान, विज्ञान गतिविधियां, क्राफ्ट, नृत्य, खेल और हेरिटेज विजिट कराई गई. इसका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना विकसित करना था.

बच्चों ने रॉकेट बनाकर जाना उड़ने का रहस्य

आंचलिक विज्ञान केंद्र में कार्यशाला का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 मई. आंचलिक विज्ञान केंद्र में रविवार को तीन दिनी 'रॉकेट रेंजर्स मॉडल रॉकेट्री कार्यशाला' का समापन हुआ. इसमें स्कूली बच्चों ने न सिर्फ अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों को समझा, बल्कि अपने हाथों से मॉडल रॉकेट बनाकर उन्हें उड़ाया भी.

कार्यशाला की शुरुआत और पूरी रूपरेखा विज्ञान के व्यावहारिक सिद्धांतों पर केंद्रित रही. कार्यशाला में बच्चों को रॉकेट लॉन्चिंग के मूल सिद्धांत, न्यूटन के सिद्धांतों का ज्ञान, एयरोडायनामिक्स और रॉकेट की आंतरिक संरचना के बारे में विस्तार से सिखाया गया. साथ ही नन्हें वैज्ञानिकों ने यह भी जाना कि विभिन्न प्रकार के ईंधनों की सहायता से रॉकेट किस तरह थ्रस्ट पैदा करते हैं और आसमान में स्थिरता के साथ उड़ान भरते हैं. बच्चों को रॉकेट के नोज़ कोन, बॉडी ट्यूब, फिन्स और इंजन माउंट की महत्ता समझाते हुए खुद का मॉडल रॉकेट तैयार करने का काम सौंपा गया. जिसमें बच्चों ने रॉकेट्स का डिजाइन तैयार किया, बल्कि उनके वैज्ञानिक सिद्धांतों का भी परीक्षण किया.

3 क्रिकेटर भारतीय टीम में

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 24 मई. भोपाल के क्रिकेट जगत के लिए गर्व की खबर है. शहर के तीन क्रिकेट खिलाड़ियों जतिन सहाय सक्सेना, विजय मेघरानी और सनी भटनागर का चयन इंडिया ओवर 40 एस क्रिकेट टीम में हुआ है. यह टीम 25 मई से 8 जून 2026 तक इंग्लैंड दौरे पर 45-45 ओवरों की अंतरराष्ट्रीय वनडे श्रृंखला खेलेगी. इंग्लैंड क्रिकेट प्रशासन और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस दौरे में भारतीय टीम कई मुकाबले खेलेगी. चयनित

खिलाड़ियों में जतिन सहाय सक्सेना भारतीय स्टेट बैंक भोपाल में सहायक, विजय मेघरानी वरिष्ठ सहायक और सनी भटनागर पश्चिम मध्य रेलवे के डीआरएम कार्यालय भोपाल में पदस्थ हैं. टीम की कप्तानी आनंद कीर्तिविलास नागर करेंगे. टीम में भोपाल के अलावा इंदौर और देवास के खिलाड़ी भी शामिल हैं.

स्कूली विद्यार्थियों ने किया जानवरों, पक्षियों का अध्ययन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में अध्ययन भ्रमण

भोपाल, 24 मई. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, ने ग्रीष्मकालीन प्रकृति अध्ययन कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कराया, जिसमें विद्यार्थियों ने जानवरों और पक्षियों बारे में अध्ययन किया.

भोपाल बड्र्स स्वयंसेवा संस्था के मोहम्मद खालिक खालिक ने वन्य जीवों के व्यवहार की बच्चों को जानकारी दी. इस दौरान

ओरिएंटल व्हाइट आइ, ओपेन बिल्ड स्टार्क,ओरिएंटल डार्टर, ग्रे हेरॉन, बया, फीजेंट टेल्ड जकाना, रेड वेंटेड बुल-बुल,छोटा किलकिला, मोर, लेसर व्हिस्लिंग डक, पर्पल सनबर्ड, नाइट हेरॉन, पर्पल मूरहेन,मैग पाई रॉबिन आदि पक्षियों का अवलोकन किया. बच्चों ने पक्षियों की आवाज़, घोंसला निर्माण, भोजन खोजने की शैली तथा झुण्ड में रहने की प्रवृति को भी देखा.

समाजसेवा | सेवा भारती का नि :शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

207 की आंखों की जांच, 23 मरीजों को मोतियाबिंद

नवभारत न्यूज

भोपाल, 24 मई. सेवा भारती भोपाल महानगर, स्वास्थ्य आयाम एवं साकेत मंडल द्वारा स्व. विष्णुकुमार की पुण्यतिथि पर रविवार को ज्ञानोदय स्कूल बाग मुगालिया में आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 207 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई, इनमें 23 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया.

इन मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा. सेवा भारती के भगवानदास ढालिया ने बताया कि शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पी.एस. बिंद्रा, डॉ. ललित श्रीवास्तव एवं डॉ. पुष्पेंद्र गुप्ता ने मरीजों की आंखों की जांच की. इस दौरान 82 जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे एवं दवाइयों का वितरण किया गया. इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह सोलंकी, राजेश जैन, शिवमंगल सिंह, प्रद्युम्न गुप्ता, हरभजन शिवहरे, रमेश गोतेल, राजेश रमतानी, डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. राम अवतार यादव, गीतांजलि शुक्ला, सुनील कौशिक, सीमा हाजरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे. इस सेवा कार्य में देवमन हेडाऊ, कैलाश शर्मा, पायल सेठ, दिनेश बिल्लौरे, रत्नेश यादव, डॉ. दिनेश अग्रवाल, सुभाष बरबड़े, अंकिता बनर्जी, सरोज दुबे एवं ज्ञानोदय विद्यालय की शिक्षिकाओं का सहयोग रहा.

आकाशवाणी भोपाल से डॉक्टरों से चर्चा का प्रसारण आज

भोपाल, 24 मई. आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम नमस्कार में सोमवार 25 मई को सुबह 7: 20 बजे डॉक्टरों से चर्चा का प्रसारण किया जाएगा. इस कार्यक्रम में विश्व थायराइड दिवस पर हार्मोन रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन चित्तावर, नौतपा के दौरान लू से बचाव के संबंध में मप्र चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख से चर्चा का प्रसारण किया जाएगा. वहीं आकाशवाणी के स्वर्णिम 90 वर्षों के सफर पर आकाशवाणी के नियमित श्रोता और पूर्व कलाकार जिगर पंड्या से भी चर्चा की जाएगी. कार्यक्रम के संयोजक शुभम तिवारी और एंकर डॉ. शिखा जैन हैं.

जनजातीय संग्रहालय में कानड़ा नृत्य ने बांधा समां

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 मई. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में रविवार को कला, संगीत और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला. संग्रहालय की साप्ताहिक श्रृंखला 'संभावना' के तहत आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने नृत्य, गायन और वादन की ऐसी त्रिवेणी बहाई कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए.

इस दौरान कबीर गायन की रूहानियत, बघेली गीतों की मिठास और बुंदेलखंड के पारंपरिक कानड़ा नृत्य के रंग बिखरे. कार्यक्रम की शुरुआत कबीर गायन से हुई, जिसमें देवास से आए बद्रीलाल और सुमित्रा मालवीय ने अपने साथियों के साथ संत कबीर के भजनों को

बेहद सुरीले अंदाज में प्रस्तुत किया. उन्होंने 'महरा सतगुरु है रंगरेज', 'मैं कैसे पाऊं री सखी', 'हो गई बहुत पुरानी चदरिया' और 'अब मैं तो अपने ही राम को रिझाऊं' जैसे कालजयी पदों को गाकर पूरे माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया.

बघेली लोक संस्कृति की छटा बिखेरी

मऊगंज की अर्चना पाण्डेय और उनके दल ने बघेली में गणेश वंदना 'गौरी गणेश मनाऊं आज सुन लीन्हैय हमारी' से शुरुआत की. उन्होंने भोला गीत भोलन तोहरे लम्बे देशवा हो, कजरी हरे रामा छाई घटा घनघोर बदरिया कारी रे हारी, झूला गीत भोला वास करय काशी में गउरा पार्वती के साथ और ददरा ई दोऊ नैना अनाड़ी हो बरजा नहीं मानय की प्रस्तुतियां दीं. शाम को सागर के रामकिशन रजक और साथियों द्वारा प्रस्तुत बुंदेलखंड का प्रसिद्ध कानड़ा नृत्य रहा. नर्तकों ने हाथ में रेकड़ी वाद्य यंत्र लेकर जब थिरकना शुरू किया, तो प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित कर लिया.